व्यक्तितव विकास - 1 - लेडिज टेलर - बीना मिस्त्री

मेरा नाम बीन मिस्त्री है. मेरी शादी हुए ५ साल हो गये है और मेरा एक चार साल का बेटा भी है. मेरा रंग थोड़ा सांवला है, पर शादी के इतने साल बाद भी मेरे बदन की कसावट बहुत कालिताना है. खरबूज के समान स्तन, सांचे मे ढला बदन, नीखे नाक नक्श. हम किराये के घर मे रहते है और मकान मालिक का परीवार भी रहता है. हमे घर का उपरी मंजिल मिला हुआ है और वो निचे रहते है. मेरे महौल्ले के कई मर्द मुझे वासना भरे नजरो से घूरते रहते है, हर आदमी जो मुझसे मिलता है वो वासना भरे नजरो से जरूर देखता है.

मेरे पति एक कम्पनी में काम करते है. उनके कम्पनी मे अक्सर पार्टियां होती रहती है पर मै पार्टियो मे जाना पसंद नही करती. उनके सीनियर मुझपर गलत नजर रखते है और दारू के नशे मे अक्सर कुछ न कुछ गलत बोल दी जाते है. जैसे एक बार उनके एक सीनियर ने उनसे नशे मे पुछा, "मिस्टर मिस्त्री! आपका प्रमोशन हुए कितना टाईम हो गया." ये बोले, "बहुत टाईम हो गया सर." तो सीनियर ने कहा, "प्रमिशन चाहिए कि नही?" ये बोले, "चाहिए सर." सीनियर ने कहा, "तो एक काम कर, अभी ११ बजे है, मै उपर होटल के कमरे मे जा रहा हूं, आधे घन्टे बाद अपनी बीवी को मेरे कमरे मे पहुंचा देना और सुबह ८ बजे आ कर ले जाना, १० बजे तेरे टेबल पर प्रमोशन लेटर होगा." ये बोले तो कुछ नही पर उसके बाद मुझे किसी भी पार्टी मे जाने को फोर्स नही किये. पर एक दिन अचानक बोले, "बीना, १० दिन बाद एक पार्टी है, शायद मेरा प्रमोशन हो सकता है. तुम्हे चलना ही पड़ेगा, और वो भी बन ठन कर, मै चाहता हूं कि तुम थोड़ी सेक्सी दिखो." मैने बात मान ली क्योकि बहुत खुश लग रहे थे. सब तैयारी करके एक साड़ी चूज किया और उन्हे दिखाया, तो वो बोले कि साड़ी तो ठीक है पर ब्लाऊज थोड़ा मार्डन होना चाहिए." वो तो ये बोल दिये पर मैने न ही कभी मार्डन टाईप ब्लाऊज पहना था न ही मेरे पास ऐसे ब्लाऊज थे. सो मैने अपने एक फ्रेंड से सलाह ली. मेरे फ्रेंड ने मुझे एक लेडीज टेलर का नाम बताया और मुझे वहां जाने को कहा, साथ मे ये भी जोड़ दिया कि वो आजकल औरतो मे बहुत फेमस है. मुझे बात समझ नही आई न मैने इस पर कोई ध्यान दिया.

अगले दिन मेरे हसबेंड आफिस चले गये और मेरा बेटा नानी के घर. मै साड़ी और ब्लाऊज पीस लेकर टेलर के दुकान को चल दी. सुबह के दस बज रहे थे जब मै टेलर के दुकान पहुंची. बाहर बोर्ड लगा था "राज टेलर्स" सो मै दुकान के अंदर चली गई. दुकान बहुत ही बड़ा था और ए सी की ठंडी हवा आ रही थी. काऊंटर पर एक १६ साल के दो लड़के खड़े थे. मैने उनसे पुछा, "राज साहब से मिलना है." एक ने मुझसे काम पुछा मैने बताया कि एक मार्डन ब्लाऊज सिलवाना है. उसने मुझसे पुछा कि उनके शाप का पता किसने दिया है मैने अपने फ्रेंड का नाम बता दिया. अगले ही पल रूखा सा रवय्या बहुत नम्र हो गया. उसने मुझे सोफे पर बैठाया, मुझे पानी और कोल्ड डिंक दिया और कहा, "अंकल अंदर काम कर रहे है, उन्हे बुला कर लाता हुं." मै बैठ कर कोल्ड डिंक पीने लगी और वो भागता हुआ अंदर चला गया. लगभग ५ मिनट के बाद एक हैन्डसम नौजवान काऊंटर पर आया और सामान रख कर मुझे बुलाया. उसने मुझसे आने का

कारण पुछा तो मैने उसे बता दिया. उसने मुझसे ब्लाऊज पीस मांगा और मुझे एक एलबम दे दिया.

एलबम मे कई डिजाईन के ब्लाऊज थे जिनकी कारीगरी बेमिसाल थी, पन्ने पलटते पलटते एक डीप गले की पीठ पर डोरी वाली ब्लाऊज पर नजर रूक गई. मुझे डिजाईन अच्छा लगा. उसने भी देखा और कहा, "मैडम जैसे आपके स्तनो का कसावट है उस पर ये बहुत जचेगा." उसके कमेन्ट पर थोड़ा अजीब लगा पर फिर लगा कि ये तो नार्मल लैग्वेज है टेलर्स की. उसने कहा, "मैडम पहले नाप ले लेते है." और ये कह कर वो टेप लेकर मेरे पास आ गया. मै अचानक ही कह उठी, "कोई लड़की नही है नाप लेने के लिये." वो हंसा और बोला, "हैं दो है पर आज छुट्टी पर है. वैसे भी आजकल ये आम है की लड़के भी औरतो का नाप ले लेते है." मुझे अपने ही सवाल पर शर्म आ रही थी. खैर वो नाप लेने लगा. बीच बीच मे मेरे स्तनो को पकड़ कर उठा देता जिस्से ठीक नाप ले सके. उसने कहा, "मेरे पास पहले से इस डिजाईन के ब्लाऊज है. आप उनमे से एक ट्राई करके देख लिजिए, फिर बताईयेगा. वैसे आपकी साईज क्या है." मैने शरमाते हुए कहा, "३२." उसने कहा, "मै एक मिनट मे हाजिर होता हूं और वो अंदर कमरे मे चला गया. दो तीन मिनट मे वो एक वैसा ही ब्लाऊज लेकर वापस आया और मुझे दिया. उसने एक दरवाजे की तरफ इशारा किया और कहा, "मैडम आप उस रूम मे ट्राई कर लिजिए." मै रूम की तरफ बढ़ी तो उसने मुझे रोका और कहा, "मैडम ब्लाऊज को बिना ब्रा के ट्राई किजिएगा. नही तो साईज और फिटिंग का अंदाजा नही हो पाता है. और हां अभी अभी मैने रूम का फर्श धोया है." मैने सर हिला दिया और ट्राई रूम मे घुस गई. मैने साड़ी उतारी तो पाया कि वहां हैगर ही नही है. मैने सर बाहर निकाला और एक लड़के को आवाज दी. मैने उसे बताया कि हैन्गर नही है. उसने कहा कि आज सुबह ही कारपेन्टर हैन्गर निकाल कर ले गया है बनाने के लिए. मैने कहा, "अजीब मुसीबत है, फर्श भी गीला है." वो एक पल सोचा फिर बोला, "मैडम एक काम कीजिए आप अपने कपड़े मुझे दे दिजिए, मै सामने वाली अलमारी मे रख देता हूं. आप को चाहिए होगा तो आवाज दिजिएगा मै वापस ला दुंगा." वो इतने मासूमियत से बोला कि मैने उसे २ मिनट रूकने को कहा. मैने ब्लाऊज ब्रा उतार कर साड़ी के साथ उसे दे दिया. वो बिना कुछ बोले चला गया.

मैने ब्लाऊज पहना पर तभी एक प्राबलम समझ आई, पीठ पर डोरी कैसे बांधू. थोड़े देर सोचने के बाद मैने बाहर झांका. बाहर दोनो लड़के नही थे पर राज खड़ा था. वो मेरे पास आया और प्राबलम पुछा. मैने उसे बताया तो उसने दरवाजे को धक्का देकर अंदर आ गया और कहा कि वो बांध देगा. मै थोड़ा सकुचाई पर फिर भी उसकी तरफ पीठ करके खड़ी हो गई. एक एक करके उसने डोरी बांधना शुरू किया, तीन डोरी मे अंदाजा हो गया कि ये ब्लाऊज थोड़ा टाईट है. उसे भी अंदाजा हो गया तो उसने डोरी खोलना शुरू किया और कहा, "मैडम लगता है ये छोटा है, मै इससे बड़ा साईज लेकर आता हूं. मेरे कुछ बोलने से पहले ही उसने मेरे बांहो से ब्लाऊज निकाला और बाहर निकल गया. मुझे स्तनो को छुपाने का मौका भी नही मिला पर तब तक वो बाहर जा चुका था. मैने झट से अपने स्तनो को बाहों से छुपा लिया.

थोड़ी देर बाद वो वापस आया और उसके हाथ मे एक नया ब्लाऊज था. उसने मुझे ब्लाऊज पकड़ाया और बाहर चला गया. मैने ब्लाऊज पहन लिया और उसे आवाज लगाई. वो अंदर आया और मेरे ब्लाऊज के रस्सी को बांधने लगा. अब मै उस के प्रोफेशनलिजम की कायल हो गई है. उसने गांठ बांध दी और मुझे बांहे उठाने को कहा. मैने बांहे उठा दी और वो गौर से फिटिंग देखने लगा और कहा, "ये फिट आयेगी और मै इसी साईज मे सिल देता हूं." मैने सर हिलाया और कहा, "मेरे कपड़े वापस ला दो." वो सर हिलाया और बाहर चला गया. दो मिनट बाद वापस आया और बोला, "मैडम एक प्राबलम है, मेरे एक नौकर दिनेश जिसने आपके कपड़े अलमारी मे रखे थे. वो खाना खाने घर चला गया है. गलती से अलमारी का चाबी साथ ले गया है." मै परेशान हो उठी, "कब तक आ जायेगा?" उसने लाचार चेहरे से कहा, "कभी आधे घन्टे ने आ जाता है कभी एक घन्टे मे." मैने कहा, "तब तक ऐसे ही बैठूं क्या." उसने कहा, "मजबूरी है, आप एक काम किजिए, अंदर वाले कमरे मे चलिए, वहां कोई नही आता." मैने सोचा कि कोई आ जायेगा तो फालतू मे बदनामी हो जायेगी, इस से अच्छा है अंदर ही बैठ जाऊं. ये सोच कर मै उसके साथ अंदर वाले कमरे मे चली गई.

अंदर एक टेबल रखा था और एक सोफा, मै सोफे पे बैठ गई. वहां वो शायद काम करता था. सारे समान यहां वहां बिखरे पड़े थे. थोड़े देर ऐसे ही बैठने के बाद उसने कहा उसने कहा, "मैडम इस टाईप के ब्लाऊज बनवाने की कोई खास वजह." मैने उसे सब बता दिया, तो उसने कहा, "सिर्फ ब्लाऊज पहनने से आप सेक्सी नही दिखेंगी." मैने उसका मतलब पुछा तो उसने कहा, "जैसा कि आप देख रही है कि ये ब्लाऊज बिना बांह का है. और मै देख रहा हूं कि आप बगल के बाल सिर्फ काटती हैं, शेव नही करती है. ये ब्लाऊज के रौनक बिगाड़ देगा. और आप पेटीकोट बहुत उंचा बांधती है. आपको नाभी के निचे बांधना चाहिए. आप खड़े हो जाईये मै बताता हूं." मै खड़ी हो गई तो उसने मुझे पेटीकोट निचे सरकाने को कहा, मै उसके प्रोफेशनलिजम पर कायल थी सो पेटीकोट निचे सरकाती गई. आखिरकार वो नाभि से कुछ इंच निचे तक चला गया. उसने कहा कि अब ठीक है. मैने भी खुद को आईने मे निहारा और मुझे ठीक लगा. उसने कहा, "अब बगल के बाल की बात." मैने कहा, "मुझे शेव करने से काफी प्रोबल्म होती है, चमड़ी छिल जाती है." उसने कहा, "मैडम ये काम इम्पोर्टेड सेट से करना चाहिए. लाईये मै आपको दिखाता हुं." वो गया और अलमारी से एक शेविंग सेट निकाल लाया और मुझे दिखाया. मैने सब सामान देखा और काफी अच्छा लगा. उसने कहा, "इस किट से शेविंग करना चाहिए, चलिए मै एक डैमो दिखाता हूं आपको. आपके बगल सेव कर देता हूं." मै एक दम से हड़बड़ा गई. मैने कहा, "नही नही रहने हो, मुझे दे दो, मै खुद कर लूंगी." उसने कहा, "अरे मैडम ये इम्पोर्टेड सेट है और एक एक्सपर्ट को ही इस्तेमाल करना चाहिए." मैने कहा, "रहने दो मै ऐसे ही ठीक हूं." उसने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे टेबल की तरफ ले जाने लगा और कहा, "आप हमारी खास ग्राहक है, ये स्रविस हमारे तरफ से फ्री है, आप फालतू मे डर रही है. आपकी फ्रेंड से पुछ सकती है उनको भी ये स्रविस दी है हमने." उसके व्यक्तिव का असर था कि मै मना न कर सकी और टेबल तक चली गई.

उसने मुझे टेबल पर लेटने को कहा और मै टेबल पर मंत्रमुग्ध सी लेट गई. उसने सामान एक बगल रखा और कहा, "मैडम एक प्राबल्म है, ये ब्लाऊज किसी और का आडर है, ये खराब हो जायेगी. आप इसे उतार दिजीए और ये गमछा डाल लिजीए." उसने मुझे एक गमछा दिया और बाहर चला गया. मैने धीरे से ब्लाऊज उतार कर साईड मे रख दिया और गमछा से स्तनो को ढक कर लेट गई. थोड़ी देर बाद वो जग मे पानी लेकर आ गया. उसने मुझे बांहे उपर करने को कहा और मेरे बगल मे सेविंग क्रीम लगाने लगा. क्रीम पूरी तरह से लगने के बाद, उसने एक रेजर लिया और सेविंग शुरू किया. धीरे धीरे उसने दोनो बगल को बड़े आराम से सेंव कर दिया और फिर पानी से धो कर बोला, "मैडम महसूस करके देखिए." मैने हथेली से उसे छू कर देखा तो बहुत चिक्नी महसूस हुई. मै उसके काम से प्रभावित हुई थी. अचानक उसने मेरी नाभि के पास देखा और मुस्कुरा दिया. मैने उत्सुकता मे पुछा कि क्या हुआ. उसने कहा, "मैडम आप नाभि के पास भी सेव नही करती है. पर आप जब साड़ी पहनेगी तो ये अगल से दिखेगा. आप कहे तो आपको सच मे सेक्सी बना देते है. पहली बार ये फ्री है, अगली बार से चार्ज लगेगा. आपको परी बना सकते है." मैने कहा कि ठीक है. उसने अपने नौकर को आवाज दी, "राजेश पानी लेकर आओ." एक मिनट बाद उसका नौकर पानी लेकर आ गया और टेबल पर पानी रख दिया. फिर कहा, "मालिक मै जाऊं." राज बोला, "नही तुम रूको और काम सीखो, भविष्य मे तुम्हे ही सम्भालना है." वो रूक गया और बगल मे खड़ा हो गया. राज ने मेरे नाभी के नीचे के बालो पर क्रीम लगाया और सेव करने लगा. पूरा शेव करने के बाद मैने उस हिस्से को भी छुआ और फर्क महसूस किया.

राज बहुत पास आकर नाभि के पास देखने लगा, मैने पुछा, "क्या देख रहे हो?" उसने कहा, "आपके यहां से बाल नीचे की तरफ जा रहे है. नाड़े के कारण बन नही रहा है." इतना कह कर उसने अचानक ही मेरे पेटीकोट के नाड़े को खोला और एक झटके से पेटीकोट नीचे सरका दिया. पेटीकोट मेरे टांगो से होता हुआ निकल गया. मैने पेन्टी नही पहना था, मै हड़बड़ी मे उसका हाथ पकड़ने की कोशिश की पर लेट हो गया. पेटीकोट कहां गया पता ही नही चला. उसे भी अपनी गलती आ एहसास हुआ और उसने एक झटके से मेरे स्तनो पर पड़े गमछे से मेरे चुत को ढक दिया. मुझे तो समझ नही आ रहा था कि हो क्या रहा है. सन सी पड़ी थी बस. थोड़े देर में उसने कहा, "मैडम आ लेटे रहिए, यहां कोई नही आयेगे, मै आपका पुरा मेकअप कर देता हूं." मैने कुछ नही कहा. उसने मेरे पैरो से गमछे को घुटनो के उपर चुत तक सरकाया और उपर से मेरी चुत तक सरकाया. अब गमछा मेरे लिए बस चड्डी के बराबर रह गया था बस. बदन पर एक कपड़ा भी नही था इसके इलावा. मै पशोपेश मे भी जब उसने कहा, "मैडम आप पैरो मे वैक्सिंग नही करती है, लाईये मै आपके लिए कर देता हूं." उसने राजेश से कुछ कहा और राजेश बाहर चला गया. थोड़े देर बाद वापस आया तो उसके हाथ मे क्रीम था. उसने राज से पूछा, "मै लगाऊं." राज ने सर हिला दिया. राजेश ने क्रीम मेरे जांघो और पैरो पर डाल दिया और तेल की तरह मालिश करके लगा. राज ने कहा, "आज रात को जब आप अपने पति के बाहो मे जाऐगी तो उन्हे फर्क

महसूस होगा. मैने भी महसूस किया की धीरे धीरे मेरे पैरो और जांघो के बाल निकल रहे थे. पर जो तथय वो महसूस नही कर रहे थे वो ये था कि मेरी चुत धीरे धीरे गीली हो रही थी.

राज ने नाभि से नीचे के हिस्से को भी सेव करना शुरू किया. जब शेव खतम हुआ तो उसने धीरे से मेरी चुत से कपड़ा हटा कर उसे अगल रख दिया. उसने कहा, "जैसा कि मैने सोचा था, आप चुत के बाल भी साफ नही करती." अब तक राजेश की मालिश भी हो चुकी थी और वो मेरे सर के पास आकर खड़ा हो गया था. राज ने बिना मुझसे पुछे मेरी चुत पर क्रीम लगाना शुरू किया. जैसे ही उनके रेजर लगाने की कोशिश की मुझे अपनी हालत का अंदाजा हुआ, मै उठने को हुई तो राजेश ने मेरे कंधो को पकड़ कर कहा, "मैडम क्या कर रही है. मालिक आपको परी बना रहे है. रेजर से कट जाऐगा, लेटे रहिए." मै लेट गई और वो आराम से मेरी चुत को शेव करता रहा. जब पूरा कर चुका तो उसने मेरे चुत को मेरी हथेली से छुआया और फर्क महसूस करने को कहा. मै तो शर्म से गड़ी जा रही थी फर्क क्या महसूस करती. उसने मुझे फोर्स करके पलटा और मुझे पेट के बल कर दिया और मेरे चुत्तड़ओ पर हेयर रीमूवर क्रीम लगाने लगा. राजेश ने भी मेरे पीठ पर क्रीम लगा दिया और दोनो मालिश करने लगे. दो मिनट मे काम पुरा हुआ और दोनो हाथ धोने चले गये. मै वैसे ही पड़ी रही.

दो मिनट बाद दोनो वापस आये. उन्होने मुझे खीच कर टेबल से उतारा और झुका कर खड़ा कर दिया. दोनो ने गीला टावेल लिया और मेरे बदन को पोछने लगे. राजेश सामने था और जैसे ही मैने उसे देखा तो करन्ट सा लगा. वो एक दम नंगा था, मैने हड़बड़ी मे उससे पुछा, "ये क्या है?" उसने टावेल साईड मे रखा और मेरी चुत को अपने हथेली से पकड़ लिया और हलके हलके मसलते हुए कहा, "मैडम आपकी सेवा करनी है, ये गीली हो गई है तो इसे भी आराम दे देते है हम दोनो." इतना कहते मुझे ही पीछे से एक लण्ड चुत मे घुसता हुआ महसूस हुआ. मैने पीछे मुड कर देखा तो राज था, पर अब मै उसे रोकने के स्थिति मे नही रह गई थी. उसने अपना पूरा लण्ड मेरी चुत मे घुसा दिया. राजेश मेरे दोनो स्तनो से खेलने लगा और निप्पल चुसने लगा. मैने धीरे से उसके सर को सहलाया तो उसने कहा, "मालिक का काम सीख रहा हूं, भविष्य मे मुझे ही समभालना है." मैने उसे कहा कुछ नही बस मुस्कुरा दी. राजेश अपना मजा लेकर हटा तो राज ने उसे बाहर जाने को कहा. वो बाहर चला गया और राज मेरे दोनो स्तनो को पीछे से पकड़ कर जबरदस्त धक्के लगाने लगा. वो मेरे स्तनो को मसल भी रहा था. उसके धक्के ने मुझे भी चरम पर पहुंचा दिया था सो हम दोनो एक साथ पानी छोड़ दिये. वो मुझे बांहो मे उठा कर बाथरूम मे ले गया और आराम से नहलाया. फिर मैने उसी के सामने कपड़े पहने. उसने मुझे २ दिन बाद दोपहर मे आकर ब्लाऊज ले जाने को कहा.

मै दुकान से बाहर आ गई और घर जाने के बजाय अपने फ्रेंड के घर चली गई.मैने अपनी फ्रेंड को हर बात बताई. उसने मुझे से प्यार से पुछा, "तुझे आत्मग्लानी तो नही हो रही है न?" मैने शरमाते हुए न कह दिया. उसने कहा, "तेरे पति का तेरे पति के सीनियर जान बूझ कर प्रमोशन रोक देते है. इस बार भी नही होगा. सब की तेरे पर लार टपकती है. तु सब को एक एक बार अपने बदन का मजा दे देगी तो

तेरे पति का जल्दी जल्दी प्रमोशन होने लगेगा." मैने धीरे से कहा, "ये नही मानेगे कभी." उसने कहा, "उसे बताना जरूरी है क्या, आज टेलर के दुकान कर जो हुआ वो भी बताऐगी क्या." मैने हंसते हुए न कह दिया. उसने कहा, "अभी पार्टी को एक हफ्ते से ज्यादा है, मै तेरे पति के सीनियरस से तेरी एक दो मिटिंग करवा देती हूं. तू उस सब को अपने बदन का मजा दे देना. फिर तेरे पति का प्रमोशन हो ही जाऐगा." मैने धीरे से कहा, "इनको पता तो नही चलेगा." उसने कहा, "नही रे! मै खयाल रखूंगी." मैने उस से कहा, "मै तैयार हूं. पर इसके बदले तुझे क्या चाहिए?" उसने कहा, "मेरे पति की और दोनो भाई की तुझ पर बड़ी लार टपकती है, कई बार बोल भी चुके है." मैने हंसते हुए कहा, "ठीक है मुझे ये भी मंजूर है."

उसके बाद क्या हुआ ये अलग कहानी है, वो फिर किसी दिन.